vinetur

औसत मूल्य में गिरावट के बावजूद ब्रिटिश व्हिस्की निर्यात £2.5 बिलियन पर पहुँचा

2026 की पहली छमाही में शिपमेंट मात्रा 5.8% बढ़ी, जो कस्टम्स मूल्य में 2.2% वृद्धि से आगे रही।

सोमवार, 28 सितंबर 2026



2026 की पहली छमाही में ब्रिटिश व्हिस्की निर्यात बढ़ा, लेकिन भौतिक शिपमेंट में बढ़ोतरी निर्यात आय की तुलना में अधिक रही, जिससे विदेशों में बेची गई प्रति इकाई औसत कीमत कम होने का संकेत मिलता है। जिन निर्यात भी बढ़े, हालांकि धीमी गति से, और व्हिस्की के विपरीत उनमें निहित औसत मूल्य में मामूली वृद्धि दर्ज हुई।

ये आंकड़े Food and Drink Federation की Trade Snapshot for the first half of 2026 से आए हैं, जो 25 सितंबर को प्रकाशित हुई और HM Revenue & Customs के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट जनवरी से जून के बीच दुनिया भर में U.K. निर्यात को ट्रैक करती है और कस्टम्स मूल्य तथा निर्यात मात्रा में बदलाव, दोनों को मापती है। इसमें हर पेय श्रेणी के लिए वास्तविक भौतिक मात्रा प्रकाशित नहीं की गई है।

वर्ष के पहले छह महीनों में व्हिस्की निर्यात £2.5 बिलियन रहा, जो 2025 की इसी अवधि से 2.2% अधिक है। उसी अवधि में निर्यात मात्रा 5.8% बढ़ी। इन दोनों वृद्धि दरों के बीच का अंतर दर्शाता है कि व्हिस्की निर्यात का औसत कस्टम्स मूल्य लगभग 3.4% घटा, यह तुलना मूल्य वृद्धि और मात्रा वृद्धि के आधार पर की गई है।

प्रकाशित वार्षिक दर का उपयोग करें तो 2025 की पहली छमाही में व्हिस्की का तुलनीय निर्यात मूल्य लगभग £2.446 बिलियन होता। इसका मतलब है कि इस साल बढ़ोतरी करीब £54 मिलियन रही, हालांकि 2026 का कुल आंकड़ा £2.5 बिलियन के गोल किए गए रूप में दिया गया है।

जिन निर्यातों में भी मूल्य और मात्रा, दोनों बढ़े। कस्टम्स मूल्य पहली छमाही में £306.9 मिलियन तक पहुँचा, जो एक साल पहले की तुलना में 2.8% अधिक है, जबकि निर्यात मात्रा 1.3% बढ़ी। उसी आधार पर, निर्यातित प्रति इकाई निहित औसत मूल्य लगभग 1.5% बढ़ा।

उसी गणना के आधार पर, 2025 की पहली छमाही में जिन निर्यात का मूल्य लगभग £298.5 मिलियन था, यानी इस साल इस श्रेणी में करीब £8.4 मिलियन की बढ़ोतरी हुई।

ये आंकड़े इसलिए ध्यान खींचते हैं क्योंकि ये ब्रिटिश व्यापार के कुछ हिस्सों पर पड़ रही व्यापक कमजोरी के रुझान के विपरीत हैं। हालांकि, स्पिरिट्स के लिए डेटा बताता है कि व्हिस्की और जिन अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ रहे हैं। व्हिस्की उत्पादक विदेशों में अधिक उत्पाद भेज रहे हैं, लेकिन प्रति इकाई औसत रिटर्न कम पर। इसके विपरीत, जिन उत्पादकों ने शिपमेंट वृद्धि अधिक सीमित रखी, लेकिन औसत मूल्य को बनाए रखा या थोड़ा बेहतर किया।

इस अंतर का यह अर्थ जरूरी नहीं कि व्हिस्की की किसी तुलनीय बोतल की कीमत घटी हो या जिन निर्माताओं ने बस कीमतें बढ़ा दी हों। व्यापार डेटा कई कारकों का मिश्रण दर्शाता है, जिनमें निर्यातित उत्पादों के प्रकार, गंतव्य बाजारों में बदलाव, पैक आकार, प्रीमियम बनाम स्टैंडर्ड लेबल, अनुबंधों का समय और विनिमय-दर प्रभाव शामिल हैं। उदाहरण के लिए, कम कीमत वाली व्हिस्की किस्मों की ओर झुकाव, कुछ ब्रांडों ने खुदरा कीमतें स्थिर रखी हों तब भी, औसत निर्यात मूल्य को नीचे ला सकता है। अधिक प्रीमियम जिन या उच्च-मूल्य वाले बाजारों में मजबूत बिक्री की ओर रुझान, व्यापक रूप से शेल्फ कीमतें बढ़ाए बिना, उस श्रेणी में औसत मूल्य को ऊपर ले जा सकता है।

रिपोर्ट की संरचना भी इस सीमा को तय करती है कि इन आंकड़ों को कितनी दूर तक ले जाया जा सकता है। क्योंकि इस स्नैपशॉट में व्हिस्की या जिन निर्यात की वास्तविक भौतिक मात्रा नहीं दी गई है, इसलिए सिर्फ इस रिलीज़ से यह नहीं कहा जा सकता कि कुल कितनी बोतलें, लीटर या केस भेजे गए थे ; केवल यह पता चलता है कि वे मात्राएँ पिछले वर्ष की तुलना में कैसे बदलीं। मूल्य आंकड़े कस्टम्स-आधारित निर्यात मूल्य हैं, जो व्यापार प्रवाह मापने के लिए उपयोगी हैं, लेकिन उपभोक्ता की अंतिम कीमतों के समान नहीं हैं।

इन सावधानियों के बावजूद, पहली छमाही के आंकड़े दिखाते हैं कि U.K. की दो सबसे परिचित स्पिरिट्स श्रेणियाँ जून तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती रहीं। व्हिस्की अब भी बहुत बड़ा कारोबार थी, और इस अवधि में उसका निर्यात राजस्व जिन से आठ गुना से भी अधिक था। लेकिन इस वृद्धि का स्वरूप काफी अलग था। कुल मिलाकर व्हिस्की ने अधिक राजस्व जोड़ा, फिर भी मूल्य की तुलना में मात्रा की तेज वृद्धि कमजोर मिक्स या मूल्य-निर्धारण की ओर संकेत करती है। जिन की बढ़ोतरी नकद मूल्य में बहुत छोटी थी, लेकिन उसका मूल्य मात्रा से तेज बढ़ा, जो वर्ष की पहली छमाही में विदेशी बाजारों में मजबूत स्थिति का संकेत देता है।

ये आंकड़े Food and Drink Federation ने 25 सितंबर को अपने H1 2026 trade snapshot में HMRC के आंकड़ों का उपयोग करते हुए प्रकाशित किए, जो जनवरी से जून तक वैश्विक बाजारों में U.K. निर्यात को कवर करते हैं।